'समानो मन्त्रः समितिः समानी'

UNIVERSITY OF NORTH BENGAL

B.A. Honours 6th Semester Examination, 2023

DSE-P3-HINDI (603)

Time Allotted: 2 Hours | Full Marks: 60

The figures in the margin indicate full marks.

पत्र संख्या **DSE-603A** 'छायावाद' और पत्र संख्या **DSE-603B** 'हिंदी पत्रकारिता' में से किसी <u>एक</u> पत्र का उत्तर लिखिए।

DSE-603A

छायावाद

1. निम्नलिखित में से किन्हीं <u>चार</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए – $3\times4 = 12$

(क) महादेवी के तीन काव्य संग्रहों के नाम उनके प्रकाशन - वर्ष के साथ लिखिए।

(ख) राजे ने अपनी रखवाली कैसे की ?

(ग) वरुणा की शांत कछार का महत्व निरुपित कीजिए।

(घ) 'ताज' कविता का क्या उद्देश्य है ?

(ङ) प्रसाद के किन्हीं तीन काव्य संग्रहों के नाम और उनके प्रकाशन वर्ष लिखिए।

(च) पंत को 'चिदम्बरा' पर किस वर्ष और कौन सा पुरस्कार मिला था ?

2. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं <u>चार</u> की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए – $6\times4 = 24$

(क) चित्र खींचती थी जब चपला
नील मेघ पट पर वह विरला
मेरी जीवन स्मृति के जिसमें
खिल उठते वे रूप मधुर थे

(ख) आग सारी फुक चुकी है
रागिनी वह रुक चुकी है,
स्मरण में आज जीवन
मृत्यु की यह रेख नीली।

(ग) तिमिर - पारावार में
आलोक - प्रतिमा है अकम्पित
आज ज्वाला से बरसता
क्यों मधुर घनसार सुरभित ?

(घ) अधखुले अंग जिनमें केवल है कसे हुए कुछ अस्थि-खण्ड
जिनमें दधीचि की हड्डी है, यह वज्र इंद्र का है प्रचण्ड !

(ङ) वसुधा पर ओस बने बिखरे
हिमकन आँसू जो क्षोभ भरे
ऊषा बटोरती अरुण गात !
अब जागो जीवन के प्रभात !

(च) तुम नृशंस से जगती पर चढ़ अनियंत्रित,
करते हो संसृति को उत्पीड़न, पद-मर्दित,
नग्न नगर कर, भग्न भवन, प्रतिमाएँ खंडित
हर लेते हो विभव, कला, कौशल चिर संचित।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 12×2= 24

(क) 'अरी वरुणा की शांत कछवर' शीर्षक कविता का काव्य सौंदर्य उद्‌घाटित कीजिए।
(ख) "निराला वैविध्य के कवि हैं।" इस कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए।
(ग) पंत के काव्य - विकास के विविध पहलुओं पर प्रकाश डालिए।
(घ) महादेवी के दुःख-बोध का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

अथवा

DSE-603B

हिंदी पत्रकारिता

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 3×4= 12

(क) पत्रकारिता की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।
(ख) 'बनारस अखबार' पत्रिका के संपादक और प्रकाशन वर्ष बताइए।
(ग) पत्रकारिता के महत्व पर विचार कीजिए।
(घ) प्रेमचंद द्वारा संपादित पत्रिका का नाम और उसका प्रथम प्रकाशन वर्ष लिखिए।
(ङ) 'सरस्वती' पत्रिका सर्वप्रथम किस वर्ष और किसके संपादन में प्रकाशित हुई ?
(च) स्वातंत्र्योत्तर युग के किन्हीं तीन प्रसिद्ध पत्रिकाओं तथा उनके संपादकों के नाम लिखिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 6×4= 24

(क) 'लघु पत्रिका' से क्या तात्पर्य है ? उदाहरण सहित बताइए।
(ख) 'कर्मवीर' पत्रिका पर टिप्पणी लिखिए।
(ग) स्वतंत्रतापूर्व पत्रकारिता की विशेषताएँ लिखिए।
(घ) 'बनारस अखबार' पत्रिका का महत्व बताइए।
(ङ) प्रेमचंद की पत्रकारिता पर प्रकाश डालिए।
(च) भारतेन्दुयुगीन पत्रकारिता की मुख्य प्रवृत्तियाँ लिखिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 12×2 = 24

(क) हिंदी पत्रकारिता की समकालीन प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।
(ख) स्वतंत्रतापूर्व हिंदी पत्रकारिता की प्रवृत्तियों पर विचार कीजिए।
(ग) पत्रकारिता में अनुवाद की महत्ता पर विचार कीजिए।
(घ) स्वातंत्र्योत्तर युग की हिंदी पत्रकारिता के सामाजिक संदर्भ पर प्रकाश डालिए।

——×——